No. of Printed Pages : **4**

IBO-05

16558

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

December, 2015

IBO-05 : INTERNATIONAL MARKETING LOGISTICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Attempt **any five** questions. **All** questions carry **equal** marks.*

1. "Difference between domestic and international logistics can be said to arise on account of three major factors." Elaborate on this statement, and enumerate the recent developments in international logistics. **10, 10**

2. Describe the limitations of conventional ships in loading of break-bulk cargo, and explain as to how containerisation help in overcoming these constraints. **12, 8**

3. (a) Enumerate the salient features of commercial shipping.

   (b) Explain the concept of containerisation and state its limitations. **8, 12**

4. What are the three important concepts relevent to logistics management by an organisation ? Explain these concepts and state as to which one you regard as the best approach and why ? **10, 10**

5. Describe the responsiblities of ship owners and charterers under different forms of chartering arrangement. **10, 10**

6. (a) Explain the concept of Multi-Model Transport and the liabilities of M.T.O under Multi-Model Transporatation of Goods Act.

   (b) Describe the role of Indian shipping as a net earner of foreign exchange. **12, 8**

7. Enumerate the common areas where frauds and disputes normally take place in international marine transactions and commercial shipping and state the precautions to be taken by international buyers and sellers to prevent the possibilities of such frauds. **8, 12**

8. Write explanatory notes on **any two** of the following : **10, 10**

   (a) Dredging Corporation of India

   (b) Conference System

   (c) Materials Requirement Planning

   (d) Productivity of Indian Ports

आई.बी.ओ.-05

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

आई.बी.ओ.-05 : अंतर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : ***कोई पाँच*** *प्रश्न कीजिए।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

1. "घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स में अंतर मुख्य रूप में तीन कारणों से होते हैं।" इस कथन की व्याख्या कीजिए, तथा अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स में हाल ही में हुए विभिन्न विकासों का उल्लेख कीजिए। **10, 10**

2. पारंपरिक जहाजों (Conventional ships) की ब्रेक-बल्क कार्गो के लदान संबंधी सीमाओं का वर्णन कीजिए, तथा यह बताइए कि कन्टेनीकरण इन परेशानिओं को दूर करने में किस प्रकार सहायक हुआ है। **12, 8**

3. (a) वाणिज्यिक नौपरिवहन की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

   (b) कंटेनीकरण की संकल्पना की व्याख्या कीजिए तथा इस की सीमाओं का उल्लेख कीजिए। **8, 12**

4. एक संस्था के लॉजिस्टिक्स प्रबंधन से संबधित तीन प्रमुख अवधारणाएं क्या हैं? इन अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए तथा यह बताइए कि इन में से किसे आप सर्वोत्तम विधि मानते हैं और क्यों? **10, 10**

5. चार्टरिंग व्यवस्था के विभिन्न रूपों के अन्तर्गत जहाज मालिकों तथा चार्टररों के उत्तरदायित्वों का वर्णन कीजिए। **10, 10**

6. (a) बहु प्रतिरूप परिवहन (MMT) की संकल्पना की व्याख्या कीजिए तथा माल के बहु प्रतिरूप परिवहन अधिनियम के अंतर्गत बहुप्रतिरुप परिवहन प्रचालक (MTO) के दायित्वों का उल्लेख कीजिए।

   (b) विदेशी विनिमय के निवल अर्जक के रूप में भारतीय नौपरिवहन की भूमिका का वर्णन कीजिए। **12, 8**

7. अंतर्राष्ट्रीय समुद्री लेनदेन तथा वाणिज्यिक शिपिंग के उन सामान्य क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए जहाँ छल और विवाद सामान्यतया होते हैं, तथा उन सावधानियों का उल्लेख कीजिए जो कि अंतर्राष्ट्रीय क्रेताओं एवं विक्रेताओं को ऐसी धोखाधड़ी की संभावनाओं से बचने के लिए अपनाना चाहिए। **8, 12**

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर व्याख्यात्मक टिप्पणियां लिखिए : **10, 10**

   (a) ड्रैजिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया

   (b) कांफ्रेंस प्रणाली

   (c) सामग्री आवश्यकता नियोजन (MRP)

   (d) भारतीय बदंरगाहों की उत्पादकता